सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 12 ● अंक 171 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 28 जुलाई, 2026

प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है।
-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय... 7 | कर्नाटक में फिर शुरू हुआ सियासी... 3 | गडकरी और हरदीप को मंत्रीमंडल... 2

आंदोलन खत्म, सरकार पर संकट अभी बाकी है!

धमेन्द्र प्रधान को माला पहनाने से भड़के विपक्षी सांसद

» छात्रों पर एफआईआर और हमलों से एक बार फिर माहौल बदल रहा है
» सीजेपी की चेतावनी इस बार होगी आर-पार की लड़ाई
» 12 बजे से होनी थी चर्चा पेलेट गन मामले में हंगामा सत्र में विपक्ष का प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्पीकर ओम बिरला के आग्रह पर राहुल गांधी ने अपने आक्रामक तेवरों पर ब्रेक लगाया और चर्चा के लिए राजी हो गये। आज संसद में इस मुद्दे पर नॉन स्टाप मैराथन भाव से चर्चा होगी और बिल का प्रारूप सामने आ जाएगा।

लेकिन तमाम घटनाक्रम, सियासी संकेतों के बीच मिल रहे खुफिया इनपुट के आधार पर कहा जा सकता है कि सरकार का राजनीतिक संकट अभी पूरी तरह से टला नहीं है बल्कि इसे टाला गया है। सीजेपी और जेन जी नेताओं के बयान और विपक्षी तेवर किसी और कहानी की तरफ इशारा कर रहे हैं। आज संसद में दोपहर बजे से विधेयक पर चर्चा शुरू होनी थी लेकिन प्रर्दशनकारियों पर पुलिस की ओर से पैलेट गन के इस्तेमाल के विरोध में संसद में इतना हंगामा हुआ कि अध्यक्ष को सत्र दो बजे तक के लिए निलंबित करना पड़ा। अब दो बजे से चर्चा शुरू होगी।

धर्मेंद्र प्रधान भारत की बर्बाद एजुकेशन सिस्टम के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगेः राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधाते हुए उन्हें भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद एजुकेशन सिस्टम का प्रतीक बताया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व शिक्षा मंत्री की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद एजुकेशन सिस्टम के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे। उसी सिस्टम ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। इस्तीफा भी नैतिकता से नहीं युवाओं के आक्रोश से डरकर देना पड़ा। और आज उसी व्यक्ति को संसद में भाजपा माला पहना रही है। यह कोई सम्मान नहीं लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न है। देश का हर छात्र ये देख रहा है। और इसमें शामिल हर चेहरा याद रखेगा।

दरअसल पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे थे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और एनडीए सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। भाजपा नेताओं ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया जिसको लेकर राहुल गांधी समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने उन पर हमला बोला है। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ पूरा का पूरा सिस्टम ही जानलेवा है। खबर आ रही है कि बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गई हैं और सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार करके उन पर एफआईआर की जा रही है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि कहां गया आपका वादा कि छात्रों पर कोई एफआईआर नहीं की जाएगी और उन्हें रिहा कर दिया जाएगा? उल्टा उन पर घातक हमले और बर्बरता की जा रही है।उन्होंने कहा कि दिल्ली में छात्रों पर पेलेट गन चली और बिहार में एके-47। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार हो या दिल्ली हर जगह पैटर्न एक ही है। पहले भी कहा है यह सरकार झूठी है। सुधार इनके बस का नहीं है। अपनी बातों से मुकर जाएगी और हर तरकीब से छात्रों की आवाज दबाएगी। मोदी जी देश के छात्रों से माफी मांगिए। और जिन्होंने छात्रों पर हमला किया है उन्हें कुचला है उन पर कार्रवाई कीजिए छात्रों पर नहीं।

"धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद एजुकेशन सिस्टम के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे। उसी सिस्टम ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया।"

सरकार ने सुधारों का सबसे बड़ा दांव चला

क्या एक मंत्री का इस्तीफा एक नया विधेयक और सुधारों की घोषणाएं किसी राजनीतिक संकट का स्थायी समाधान होती हैं या फिर यह केवल उस अध्याय का विराम होती हैं जिनका अगला पन्ना अभी खुलना बाकी होता है। यह वह सवाल है जो इन दिनों सत्ता के गलियारों से लेकर विश्वविद्यालयों के कैंपस कोचिंग संस्थानों सोशल मीडिया और संसद के गलियारों तक तैर रहा है। सरकार ने संदेश देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परीक्षा प्रणाली में सुधार का रोडमैप सामने रखा गया। पेपर लीक पर सख्ती का विधायी खाका तैयार हुआ। जवाबदेही और पारदर्शिता की भाषा दोहराई गई। सत्ता पक्ष इसे निर्णायक सुधारों की शुरुआत बता रहा है। लेकिन राजनीति केवल फैसलों से नहीं चलती फैसलों की टाइमिंग और जनविश्वास से भी चलती है। यही कारण है कि सवाल अब केवल यह नहीं है कि सरकार ने क्या किया बल्कि यह भी है कि क्या लोगों को यह भरोसा हो गया है कि आगे ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी।

सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर उभरे स्वर

दिलचस्प बात यह है कि बहस अब केवल सत्ता और विपक्ष के बीच सीमित नहीं रही। सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे स्वर भी सुनाई दिए हैं जिन्होंने फैसलों की प्रक्रिया और संवाद पर सवाल उठाए हैं। बड़े निर्णयों से पहले संगठन के भीतर अधिक व्यापक संवाद होना चाहिए था। दूसरी ओर सत्ता समर्थक आवाजें यह कह रही हैं कि कठिन परिस्थितियों में सरकार ने जवाबदेही और सुधार–दोनों का रास्ता चुना है। लोकतांत्रिक राजनीति में इस तरह की अलग-अलग राय असामान्य नहीं होतीं, लेकिन वे यह संकेत जरूर देती हैं कि बहस केवल विपक्ष तक सीमित नहीं है। अब निगाहें संसद पर हैं। यदि प्रस्तावित सुधार केवल कठोर दंड तक सीमित रहते हैं तो बहस जारी रहेगी कि क्या समस्या की जड़ तक पहुँचा गया है। यदि परीक्षा प्रणाली, तकनीकी सुरक्षा, भर्ती प्रक्रिया, निगरानी और संस्थागत जवाबदेही में व्यापक बदलाव दिखाई देते हैं, तो सरकार यह दावा कर सकेगी कि उसने संकट को अवसर में बदलने की कोशिश की। लेकिन यदि सुधारों का असर जमीन पर नहीं दिखा, तो यह सवाल बार-बार लौटेगा कि क्या संकट सचमुच टल गया था, या सिर्फ कुछ समय के लिए टाल दिया गया था। कई बार संकट का असली फैसला संसद नहीं, जनता करती है। कानून व्यवस्था को बदल सकते हैं, लेकिन विश्वास केवल अनुभव से लौटता है। इसलिए आज का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रश्न किसी एक दल, एक नेता या एक मंत्रालय से बड़ा है। देश का युवा यह महसूस करेगा कि उसकी परीक्षा केवल उत्तर पुस्तिका में नहीं, बल्कि व्यवस्था की नीयत में भी निष्पक्ष है?

सीजेपी ने फिर दी आंदोलन की चेतावनी

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार 25 जुलाई को हुए समझौते के तहत किए गए वादों की लिखित कॉपी उपलब्ध नहीं कराती है तो वह देशव्यापी विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू करेगी। सीजेपी ने कहा कि इसी समझौते के तहत नीट पेपर लीक के विरोध में उसका 49 दिनों का आंदोलन समाप्त हुआ था। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों को गिरफ्तार किया जा रहा है वॉलंटियर्स को परेशान किया जा रहा है और नए मामले दर्ज किए जा रहे हैं जबकि पहले आश्वासन दिया गया था कि सभी मौजूदा एफआईआर वापस ले ली जाएंगी और कोई नया मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास ने कहा कि अगर आज तक लिखित वादे साझा नहीं किए गए तो संगठन को अपना आंदोलन फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा नीट पेपर लीक से संबंधित आत्महत्या पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने और पार्टी के पांच सूत्री परीक्षा सुधार चार्टर पर विचार करने के कथित वादे को भी दोहराया। इससे पहले दिन में सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने के अपने आश्वासन का पूरी तरह उल्लंघन किया है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है जबकि दिल्ली और अन्य राज्यों में स्वयंसेवकों को निगरानी और हिरासत का सामना करना पड़ रहा है।

गडकरी और हरदीप को मंत्रीमंडल से हटाया जाए : अजय राय

» एथनॉल पेट्रोल नीति को लेकर यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उपभोक्ताओं की आशंकाओं और जनहित की अनदेखी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने एथनॉल मिश्रित पेट्रोल नीति की कथित विफलता और आम जनता में बढ़ते आक्रोश का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को तत्काल पद से हटाने व मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, राय ने पत्र में कहा कि उन्होंने पहले भी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल नीति से जुड़े वैज्ञानिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और उपभोक्ता हितों को ध्यान में रखते हुए पूर्ण पारदर्शिता, स्वतंत्र वैज्ञानिक परीक्षण व जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा हालांकि इस पर न तो कोई सार्वजनिक जवाब दिया गया और न ही कोई निर्णय लिया गया।

राय ने कहा कि इसके विपरीत सरकार ई20 के बाद ई85 और ई100 जैसी नीतियों की दिशा में आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा मजबूत हुई है कि भारत में 35 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहनों के उपभोक्ताओं की आशंकाओं और जनहित की अनदेखी करते हुए इस नीति को हर हाल में आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता बन गई है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि एथनॉल मिश्रण नीति के समर्थन में यह तर्क दिया गया था कि इससे आयातित तेल पर निर्भरता कम होगी, किसानों को लाभ मिलेगा और उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत सस्ता ईंधन मिलेगा लेकिन वर्तमान में एथनॉल मिश्रित पेट्रोल भी लगभग उसी कीमत पर उपलब्ध है, जिस कीमत पर सामान्य पेट्रोल मिलता था। पत्र में कहा गया कि आम धारणा रही है कि अगर पेट्रोल में पानी, मिट्टी का तेल या किसी अन्य पदार्थ की मिलावट पाई जाती थी तो संबंधित पेट्रोल पंप इसके लिए जिम्मेदार होता था लेकिन अब जब एथनॉल मिश्रण स्वयं तेल कंपनियों द्वारा किया जा रहा है, तो किसी वाहन में तकनीकी समस्या, माइलेज में कमी या इंजन को नुकसान होने की स्थिति में किसी की जिम्मेदारी तय नहीं है।

मंत्री स्तर की जवाबदेही हो

राय ने कहा कि इससे बीमा दावों और वाहन वारंटी को लेकर विवाद उत्पन्न हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले लिखे गए पत्र में केवल स्वतंत्र वैज्ञानिक परीक्षण, पारदर्शिता और जनहित की मांग की गई थी लेकिन अब यह विषय केवल नीति तक सीमित नहीं रह गया बल्कि मंत्री स्तर की जवाबदेही का मुद्दा बन चुका है।

तोड़फोड़ नहीं, समाधान जरूरी : मायावती

» जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर एक्शन पर रोक फैसले का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को गिराने की प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे मामलों में तोड़फोड़ जैसे कठोर कदम उठाने के बजाय संस्थानों को नियमों के दायरे में लाने और नियमित करने की नीति अपनानी चाहिए।

मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि रामपुर विकास प्राधिकरण की ओर से बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण के आधार पर भवनों को गिराने की कार्रवाई पर रोक लगाने का निर्णय उचित है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खान के पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक भवनों को गिराने का मामला छात्र हितों से भी जुड़ा है। ऐसे में सरकार को पहले नियमों के तहत समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि केवल जौहर यूनिवर्सिटी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थानों में भी यदि निर्माण संबंधी नियमों का पालन नहीं हुआ है तो उन्हें ध्वस्त करने के बजाय जरूरी प्रक्रिया पूरी करके नियमित करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जनहित को ध्यान में रखते हुए इस सुझाव पर विचार करेगी, ताकि वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो।

पेपर लीक रैकेट भाजपा के भीतर से ही चलता है : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने 28 जुलाई को केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए एंटी-पेपर लीक बिल की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सबसे बड़ा पेपर लीक रैकेट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर ही चलता है और कहा कि सिर्फ कानून पास करने से यह समस्या हल नहीं होगी।

राज्यसभा सांसद ने प्रस्तावित कानून को सख्त सज़ाओं वाला वही पुराना बिल बताया और कहा कि छात्रों के बड़े विरोध-प्रदर्शन पहले ही हो चुके हैं। संजय राउत ने कहा कि पेपर लीक के मुद्दे पर निश्चित रूप से चर्चा होगी, लेकिन पेपर लीक के खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा विरोध-प्रदर्शन भारत में जंतर-मंतर पर हुआ था। अब एक नया बिल पेश किया गया है। ऐसा लगता है कि मोदी जी को लगता है कि उन्होंने कोई बहुत बड़ा काम कर दिया है। राउत ने आगे कहा कि यह वही पुराना बिल है। बस इतना बदला है कि जेल की सजा एक साल से बढ़ाकर दस साल कर दी गई है और जुर्माना 1 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दिया गया है।

ऐसी देवी के बारे में कुछ कहना नहीं चाहते हैं : अफजाल अंसारी

» कंगना रनौत के गटर छाप वाले बयान पर भड़की सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने नई जनरेशन की महिलाओं को गटर छाप, भ्रष्ट और कई पुरुषों से संबंध रखने वाली तक कह दिया। वहीं अब बीजेपी सांसद के इस बयान पर समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने प्रतिक्रिया दी है।

सपा सांसद अफजल अंसारी ने बीजेपी सांसद कंगना रनौत के गटर छाप वाले बयान पर कहा कि अब जाने दीजिए हम उस देवी के बारे में कुछ कहना नहीं चाहते हैं। उनका उत्तर देने वाले भी हैं सदस्य देंगे, उनकी उल्टी सीधे बात, कभी कह देंगी कि 2014 में देश आजाद हुआ, अब लोग उनके बारे में आंकलन कर चुके है कि वह क्या हैं और क्या कहना चाहती हैं। सपा सांसद अफजल अंसारी ने कहा कि अब जब सदन में आ गईं हैं तो जो कहेंगी तो एक सदन के सदस्य की हैसियत से आमजनमानस में उसका एक प्रभाव पड़ता है, लोग उनके बारे में क्या राय काम करते हैं हम लोग शर्मिंदा होते हैं।

खुलेआम नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

वहीं पेपर लीक बिल पर सपा सांसद अफजल अंसारी ने कहा पहले भी कानून था लेकिन एनडीए के सत्ता में आने के बाद से बार-बार उसका उल्लंघन हुआ है। हम यह नहीं कहेंगे कि पहले पेपर लीक नहीं होते थे, लेकिन जब ऐसा होता था तो उन्हें रोकने के लिए कार्रवाई की जाती थी। अब तो खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. पेपर लीक के जो मामले 20 साल से लंबित हैं, उन पर अदालतों ने अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है। अब आप कह रहे हैं कि आप फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाएंगे। आप यह भी कह रहे हैं कि सजा बढ़ाकर 10 साल की जेल और 10 करोड़ का जुर्माना किया जाएगा।

मुख्तार के परिवार और रिश्तेदारों पर एक और एफआईआर

गाजीपुर। गाजीपुर में शस्त्रों के दुरुपयोग व मूल पत्रावली व क्रय-विक्रय पत्रावली को गायब कराने के आरोप में छह दिन में दूसरी बार पुलिस ने सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। साथ ही तत्कालीन शस्त्र लिपिक प्रेमाशंकर वर्मा के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। एसपी सिटी डॉ. राकेश मिश्रा ने बताया कि आईएस-191 मुख्तार अंसारी गिरोह के सदस्यों, सहयोगियों और मुख्तार के परिजनों के शस्त्र लाइसेंसों के सापेक्ष निर्गत शस्त्रों के दुरुपयोग के संबंध में कार्रवाई की जा रही है। जांच में पता चला कि अफजाल अंसारी के शस्त्र लाइसेंस 1241/पी 11 संबंधित शस्त्र लाइसेंस पत्रावली व क्रय विक्रय संबंधी पत्रावली गायब करा दी गई है। इसके लिए अफजाल अंसारी ने संबंधित शस्त्र लिपिकों के साथ मिलीभगत व षड्यंत्र किया। साथ ही उक्त लाइसेंस पर दशकों पहले अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले अलोंग कस्बे में एनपीबी राइफल संख्या 86 एवी 1926 और 32 बोर रिवॉल्वर नंबर ए-12741 का क्रय विक्रय मिला। इसकी पत्रावली व उक्त शस्त्रों की वर्तमान स्थिति का पता नहीं होने से भौतिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है। एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि शस्त्र लाइसेंस व क्रय विक्रय संबंधी पत्रावली गायब कराने के मामले में अफजाल अंसारी सहित दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

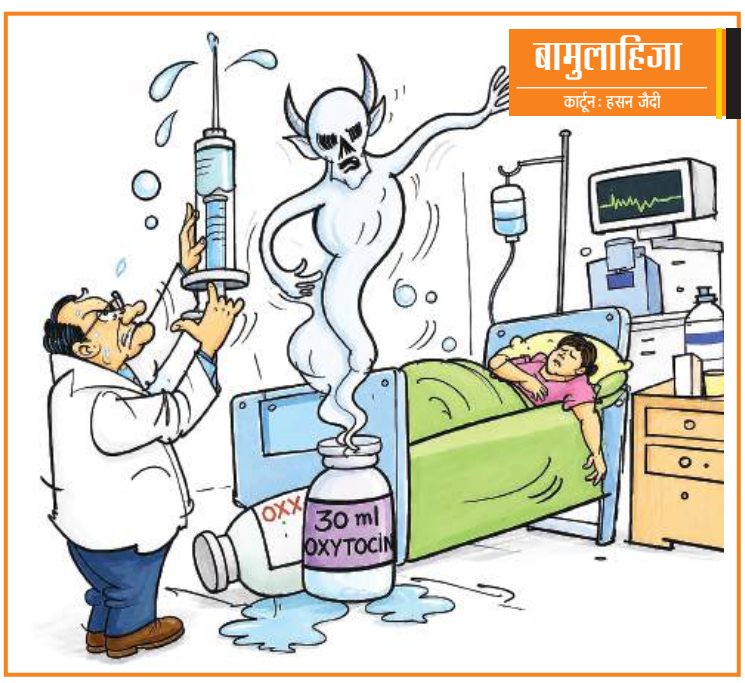

यूपी में 300 सीटें जीतेगा इंडिया गठबंधन : सुनील

» सपा के सहयोगी लोकदल का दावा, ओवैसी को भी समर्थन के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर में लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी ने आगामी चुनाव में इंडिया गठबंधन को 300 सीटें मिलने का दावा किया। उन्होंने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए असदुद्दीन ओवैसी को भी इसमें शामिल होने आमंत्रण दिया।

सुनील चौधरी ने कहा कि अखिलेश यादव मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे और विधानसभा में हमारी जीत होगी। लोकदल नेता सुनील चौधरी ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी गठबंधन में आ जाएं, नहीं तो उन पर बीजेपी से मिले होने का आरोप लगता रहेगा। हम चाहेंगे कि उनकी ताकत एक जगह लगे तो ज्यादा बेहतर है, वहीं बहुजन समाज पार्टी को डरी हुई पार्टी बताते हुए कहा कि देश को उनसे कोई उम्मीद नहीं है। दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए आंदोलन को उन्होंने छात्रों की जीत बताते हुए कहा कि इसमें सीजेपी का भी योगदान है। सोनम वांगचुक का भी योगदान है। विपक्ष का भी योगदान है। सबका योगदान है लेकिन यह जीत छात्रों की है। जैसे बिना किसी जाति-धर्म के छात्र सड़क पर उतरे वे लोग चाहते हैं कि आने वाले समय में ई-20, ईवीएम के खिलाफ युद्ध करना हो।

बीजेपी चोरों की पार्टी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर बीजेपी सरकार को निशाने पर लेते हुए सुनील चौधरी ने कहा कि आम जनमानस को पता चल गया है कि बीजेपी चोरों की पार्टी है। शुरू से ही इन पर चोरी के आरोप थे। यह बात साफ है कि बीजेपी और आरएसएस के लोग शुरू से ही दूध के धुले नहीं हैं। पहले महमूद गजनबी आकर लूटते थे। आज तो देश के लोग ही हमारे मंदिरों को लूट रहे हैं।

27 के बाद 29 में हराएंगे

गठबंधन उत्तर प्रदेश में 27 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराने के बाद 29 में पूरे देश में बीजेपी को हराएगा। अगर समय रहते उन्होंने अपना नेतृत्व नहीं बदला तो आने वाला समय उनके लिए बेहद खराब लेगा, जो थोड़ा बहुत समय बचा है। उसमें यह अपने नेतृत्व को युवा नेतृत्व के हाथों में सौंप दें। थोड़ा बहुत बचने का विकल्प है।

कर्नाटक में फिर शुरू हुआ सियासी नाटक

ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी व एसआईआर को लेकर रार

कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार

» कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार की अटकलें अब भी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में एकबार फिर सियासी पारा चढ़ा है। इस सियासी तापमान से जहां सत्ता में बैठी कांग्रेस प्रभावित है। वहीं बीजेपी पर भी इसका असर हो रहा है। भाजपा एसआईआर को लेकर शिवकुमार को घेरा है। उधर राज्य में कैबिनेट विस्तार बार-बार टल रहा है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से कई बार चर्चा हो चुकी है पर बात नहीं बन रही है।

अब ऐसा लग रहा राज्य के 6 अगस्त से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले यह विस्तार हो जाए जिसमें लगभग 20 लोगों की किस्मत खुल सकती है। उधर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक सरकार पर राहुल गांधी को खुश करने के लिए ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी क्षेत्र में मतदाता सूची का समानांतर और अवैध संशोधन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के तहत अवैध प्रवासियों, मृत और अयोग्य मतदाताओं को सूची में शामिल किया जा रहा है, जिसके लिए अवैध जन्म व स्थायी निवासी प्रमाण पत्र भी जारी किए जा रहे हैं। करंदलाजे ने पूरे कर्नाटक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

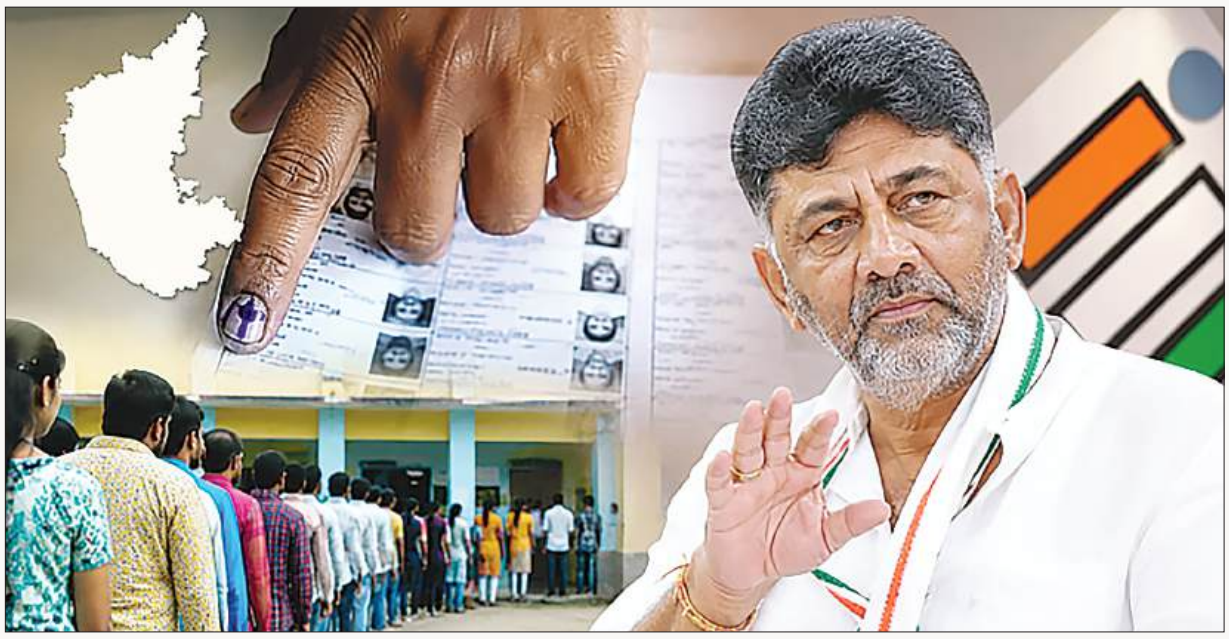

कर्नाटक सरकार एक नई गैर-कानूनी वोटर लिस्ट तैयार कर रही

करंदलाजे ने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार एक नई गैर-कानूनी वोटर लिस्ट तैयार कर रही है और कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगाया कि वे गैर-कानूनी प्रवासियों को वोटर लिस्ट में शामिल करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फिर से एक गैर-कानूनी वोटर लिस्ट तैयार करने जा रही है। आपके अधिकारी गैर-कानूनी तरीके से गैर-कानूनी वोटरों को लिस्ट में जोड़ रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने बांग्लादेशियों को यहां का नागरिक बना दिया है। मुख्यमंत्री के जुबानी आदेशों पर गैर-कानूनी प्रवासियों को यहां वोटर बनाया जा रहा है। मस्जिदों में BLO तैनात किए जा रहे हैं और वोटर लिस्ट में गैर-कानूनी नाम शामिल किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन किया जा रहा है।

अगला चुनाव जीतने के लिए बांग्लादेशियों को प्रमाण-पत्र देने की तैयारी

उन्होंने राज्य पर यह आरोप भी लगाया कि इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए गैर-कानूनी तरीके से जन्म प्रमाण-पत्र और स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र जारी किए जा रहे हैं। करंदलाजे ने कहा कि आप कर्नाटक के कई साइबर सेंटरों में गैर-कानूनी तरीके से जन्म प्रमाण-पत्र दे रहे हैं। आपने घोषणा की है कि आप कर्नाटक राज्य में पैदा हुए लोगों को स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र देंगे। हमारे पास यहां सभी दस्तावेज मौजूद हैं। तो, आप यह निवासी प्रमाण-पत्र किसे देने वाले थे? आप यह निवासी प्रमाण-पत्र बांग्लादेश से आए लोगों को मतदाता बनाने के लिए लाए हैं। अगला चुनाव जीतने के लिए आप बांग्लादेशियों को यह प्रमाण-पत्र देने जा रहे हैं।

आलाकमान विधायकों द्वारा मंत्री पद के लिए चल रही लॉबिंग पर सख्त

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार की अटकलें अब भी जारी हैं। अब शायद 6 अगस्त से पहले कुछ होने की संभावना है। इस बीच मुख्यमंत्री शिवकुमार ने सिद्धारमैया से मुलाकात की। इस बैठक के बाद दोनों नेता 18 जुलाई को दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से मिले जहाँ मंत्री पदों पर चर्चा हुई। इससे पहले पार्टी आलाकमान ने विधायकों द्वारा मंत्री पद के लिए चल रही लॉबिंग पर सख्त चेतावनी दी है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की। शिवकुमार ने बैठक की एक झलक साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ बैठक हुई और बातचीत की गई। यह बैठक कर्नाटक कैबिनेट के संभावित विस्तार को लेकर चल रही अटकलों के बीच हो रही है। कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने कैबिनेट विस्तार को लेकर चल रही अटकलों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि एक कहावत है कि यह कभी न कभी तो होगा ही। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद को मंत्री बनाए जाने की खबरों पर उन्होंने कहा कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। हाईकमान ही इस पर फैसला करेगा।

राहुल गांधी को खुश करने के लिए हो रहा एसआईआर : शोभा करंदलाजे

केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि उसने राहुल गांधी को खुश करने के लिए ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी - जीबीए इलाके में वोटर लिस्ट का समांतर स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर किया है। करंदलाजे ने पूरे कर्नाटक में वोटर लिस्ट को फिर से ठीक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्होंने दो पत्र लिखे हैं - जिनमें से एक मुख्य चुनाव आयुक्त को भी लिखा गया है - ताकि जीबीए के तहत विधानसभा क्षेत्रों में KSEC की ओर से की जा रही वोटर

लिस्ट में बदलाव के मामले में तुरंत दखल दिया जा सके। उन्होंने कहा कि मैंने दो पत्र लिखे हैं। जीबीए के तहत 27 वार्डों में दो एसआईआर हैं। राज्य चुनाव आयोग यहाँ भी एसआईआर क्यों करवा रहा है? राज्य चुनाव आयोग जीबीए के तहत तीन इलाकों में एसआईआर करवा रहा है, और ऐसा वह राहुल गांधी को खुश करने के लिए कर रहा है। मंत्री ने दावा किया कि एसआईआर मकसद वोटर लिस्ट से अवैध प्रवासियों, मृत लोगों और अयोग्य वोटरों के नाम हटाना है। उन्होंने आगे कहा कि यह एसआईआर 20 साल बाद हो रहा है। वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा बनाने के लिए अवैध प्रवासियों, मृत लोगों और जो लोग यहाँ नहीं हैं, उनके नाम लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। दूसरे लोग बेंगलुरु के बारे में बहुत चर्चा कर रहे हैं। उनका कहना है कि सिर्फ़ 50 प्रतिशत वोटर ही वोट डालते हैं।

अपने-अपने एमएलए के लिए कैबिनेट में जगह की सार्वजनिक रूप से मांग बढ़ी

इससे पहले, 24 जून को कांग्रेस हाईकमान ने विधायकों, धर्मगुरुओं और समुदाय के नेताओं को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट में मंत्री पद के लिए लॉबिंग न करने की चेतावनी दी थी और उनसे धैर्य रखने को कहा था। हाल के हफ्तों में, कई कम्युनिटी रिप्रेजेंटेटिव, धार्मिक मठों, साधु-संतों और समर्थकों ने अपने-अपने एमएलए के लिए कैबिनेट में जगह की सार्वजनिक रूप से मांग की है। कई प्रतिनिधिमंडलों ने बेंगलुरु और दिल्ली में सीनियर नेताओं से मुलाकात की है। बल्लारी में, कोप्पल के एमएलए जेएन गणेश के समर्थकों ने हाल ही में मंत्री पद की मांग को लेकर एक मार्च निकाला। AICC के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पार्टी सभी विधायकों की उम्मीदों से वाकिफ है। लेकिन फैसले क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक प्रतिनिधित्व और परफॉर्मेंस के आधार पर लिए जाएंगे, न कि दबाव बनाने वाले तरीकों से। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद बनी शिवकुमार की मौजूदा कैबिनेट में 14 सदस्य हैं, जिनमें डिप्टी चीफ मिनिस्टर जी. परमेश्वर भी शामिल हैं। प्रियांक खड़गे के पास गृह मंत्रालय है, जबकि सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया शहरी विकास मंत्री हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

श्रमेव जयते के नाम ठगे जाते हैं मजदूर

भारत के श्रमिकों की वर्तमान में स्थिति बहुत दयनीय है। नोएडा में पिछले दिनों हुई घटना बहुत कुछ कह देती है। अपने देश में आज न्यूनतम वेतन के नाम पर मजदूर बस ठगे जाते हैं। सरकारें बड़े-बड़े दावे करते हैं पर उन दावों की सच्चाई मजदूरों के की मांगे व धरना प्रदर्शन बता देते हैं। सरकारों से एक ही मांग है जो मजदूर देश का निर्माण कर रहे हैं उनको हर प्रकार से सुविधा मिलनी चाहिए ताकि चह और मेहनत से देश सेवा में लग सकें। आखिर कब श्रमेव जयते सत्य होगा। भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के द्वारा किया गया उद्घोष मजदूरों, दुनिया को एक करो, महज एक नारा नहीं था बल्कि विश्व निर्माण की आयोजना में श्रम और श्रमिकों के ऐतिहासिक अवदान को एक नए आर्थिक-राजनीतिक अर्थ-संदर्भ में देखने का एक भारतीय नजरिया था। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहाँ मार्क्सवाद के प्रभाव से दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ के नारे के माध्यम से श्रमिकों को वर्ग-संघर्ष के लिए लामबंद किया जा रहा था, वहीं भारतीय मजदूर संघ ने श्रम की अस्मिता को केंद्र में रखकर दुनिया को सँवारने का एक मानवीय, रचनात्मक और समरसता-पूर्ण विकल्प प्रस्तुत किया।

कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स के कम्युनिस्ट घोषणापत्र (1848) में उद्धृत दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ, तुम्हारे पास खोने के लिए अपनी जंजीरों के सिवा कुछ नहीं, और जीतने के लिए पूरा संसार है। नि:संदेह, श्रम और श्रमिकों के ऐतिहासिक शोषण और वंचना से उपजे आक्रोश को समेटे यह नारा, कामगारों के विभाजन और विभाजन के कारणों से हुई उनके श्रम की लूट और अस्मिता-हनन का ऐतिहासिक दस्तावेज है। जिसकी मूल प्रेरणा वर्ग-संघर्ष पर आधारित है, जो मजदूर वर्ग को पूंजीवाद एवं सामन्तवाद के ख़िलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील करता है। किन्तु ऐसा मान लेना एक ज्ञानमीमांसीय भूल ही होगी कि केवल श्रमिक स्वयं संगठित होकर ही आधुनिक अर्थ-तंत्र में पूंजीवाद के वर्चस्व से मुकाबला कर सकता है? इसके विपरीत, भारतीय सांस्कृतिक चेतना श्रम और श्रमिकों को आधुनिक पूँजीवाद की संकीर्ण दृष्टि से परे देखती है। मजदूरों, दुनिया को एक करो, यह वैचारिक परिवर्तन की एक कार्यात्मक परियोजना है, जो दुनिया को श्रमिक-केन्द्रित बनाती है। जहाँ मजदूरों से यह आव्हान किया गया है कि वे अपने श्रम के बल पर सामाजिक-आर्थिक-राजनैतिक आयामों में विभाजित एवं विषमतापूर्ण दुनिया को एक करें।

सरकारें बड़े-बड़े दावे करते हैं पर उन दावों की सच्चाई मजदूरों के की मांगे व धरना प्रदर्शन बता देते हैं। सरकारों से एक ही मांग है जो मजदूर देश का निर्माण कर रहे हैं उनको हर प्रकार से सुविधा मिलनी चाहिए ताकि चह और मेहनत से देश सेवा में लग सकें। आखिर कब श्रमेव जयते सत्य होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष के लिए छात्र आंदोलन का सियासी सबक

ज्योति मल्होत्रा

देश भर के हजारों छात्रों के एक हफ्ते से अधिक जारी आंदोलन ने राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने डर पर काबू पाकर और अपनी चिंताओं को एक तरफ रखकर, भूख हड़ताल की, मार्च निकाले, खुद का भी मजाक उड़ाया, अंबेडकर, गांधी और चे ग्वेरा की तस्वीरें उठाईं और सबसे बड़ी बात, राजनीतिक वर्ग को चेतावनी दे डाली है। कांग्रेस पूरी तरह जोश में आ गई। राहुल गांधी ने गत सप्ताह के मध्य में प्रधानमंत्री मोदी के घर के बाहर धरना भी दिया, जहां से उन्हें और प्रियंका को हिरासत में ले लिया गया और कुछ देर के लिए दो पुलिस स्टेशनों में रखा गया। गुरुवार शाम तक, इंडिया गठबंधन (जो भी बचा-खुचा है) एक साथ आया और बस में बैठकर धरना देने गांधी स्मृति गया।

अगर छात्र प्रदर्शनकारियों की पहली कामयाबी मोदी सरकार के खिलाफ महीने भर चले आंदोलन को कायम रखना रहा, तो दूसरी कामयाबी नेता प्रतिपक्ष का ध्यान इस ओर खींचना रहा और यह कोई छोटी बात नहीं है। राहुल ने नीट के मुद्दे पर छात्र प्रदर्शन का साथ देने का वादा किया था, लेकिन फिर वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों पर चले गए। किस्मत रही कि जब वह एक महीने बाद लौटे इस दौरान पंजाब समेत पूरे देश में कांग्रेस की राजनीति ठप पड़ी रही तो उन्होंने पाया कि देश के दूसरे हिस्सों में हो रहे छात्रों की गूंज नामक प्रदर्शनों का उतना असर नहीं हो पा रहा था। जिस महीने वह बाहर रहे, और पार्टी में किसी और ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, उस दौरान आंदोलन का केंद्र बिंदु दिल्ली के बीचोंबीच स्थित जंतर-मंतर बन गया। 20 जुलाई के छात्र मार्च ने इस बात पर मुहर लगा दी। 14 के बाद पहली बार, विपक्ष की अवधारणा को मजबूत करने में सड़कों पर उतरे लोगों ने राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ दिया। लोकपाल के लिए अन्ना हजारे का 11 का अनशन और 12 के निर्भया आंदोलन की तरह जब चलती बस में एक लड़की के साथ हुए गैंगरेप के विरोध में प्रदर्शन कर रही दिल्ली की महिलाओं पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया था उनकी यादें अब पुरानी पड़ चुकी हैं।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुआ 2020 का विरोध प्रदर्शन भी इसमें शामिल नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह हिंदू-मुस्लिम दंगों में बदल गया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे। दूसरी ओर, सोमवार के मार्च में पैलेट गन से बिंधे जिस्म - जिससे दिल्ली में भी कश्मीर जैसा माहौल बन गया- साथ

ही पत्थरबाजी, आंसू गैस और जबरदस्त लाठीचार्ज ने यह दिखा दिया कि छात्रों ने अपनी उम्र से कहीं ज्यादा गजब का संयम बरता। एक युवक की पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से पिटाई का वीडियो, जिसमें वह कह रहा है, 'और मारो, और मारो', वह रील युवा आंदोलन की प्रतीक बन गई है, युवा संविधान की प्रतियों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। भारत की जेन-जी ने यह पाया कि डटकर आंदोलन करना एक हथियार हो सकता है, खासकर तब जब कुछ हजार लोग मिलकर ऐसा करें; यह संदेश सोशल मीडिया पर बिजली की रफ्तार से पूरे देश में फैल गया। आखिर सरकार क्या कर लेगी जब आप विरोध के गीत गाने लगें, जैसा कि मिजोरम में हो रहा है? जब इंडिया टुडे के पत्रकार ने पूछा कि जेन-जी - जोकि राजनीतिक पार्टी का सदस्य बनकर बदलाव लाने के बजाय जोरदार पार्टियां करने के लिए ज्यादा जानी जाती है आखिरकार क्यों परवाह करने लगी है, तो उस लड़की ने जवाब दिया 'जेन-जी में जेड का मतलब है जिद्दी, जोकि हम हैं'। नेपाल और बांग्लादेश के अपने समकक्ष युवाओं के उलट, जिन्होंने पिछले दो सालों में अपनी-अपनी सरकारों को उखाड़ फेंका, इन युवा भारतीयों के बारे में दिलचस्प यह है कि उन्हें शायद मोदी को सत्ता से हटाने या कांग्रेस को वापस लाने की परवाह न हो; वे बस ऐसी 'व्यवस्था' से बुरी तरह तंग आ चुके हैं जो बहुत भ्रष्ट है और बदलाव लाने के प्रति पूरी तरह उदासीन है। इन युवाओं के मुताबिक, जब मोदी जी पहली बार पीएम बने थे, तो उन्होंने 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' कहकर उम्मीद जगाई थी लेकिन हालात बदतर ही हुए हैं।

नीट पेपर लीक एक बृहद और गहरी समस्या उठाने का सबब बन गया, जो घटते मौकों और गिरती आय से परिभाषित होता है। अमीर और अमीर होते गए। जेन-जी महसूस करने लगी है कि वे वहीं के वहीं फंसे हैं। सब रास्ते बंद होते जा रहे हैं। निश्चित रूप से भाजपा भी उनके प्रति नाराजगी भरा सम्मान स्वीकार कर रही है। खुद प्रधानमंत्री ने शुक्रवार देर रात एक सेल्फी वीडियो पोस्ट करके शिक्षा में सुधार का वादा किया, जिसके बाद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म किया। इसके अलावा, छात्रों का यह आंदोलन राजनीतिक पार्टियों में नई जान फूंक रहा है, जैसे कि कांग्रेस, जिनकी राजनीति वर्ना भाजपा जैसी ताकतवर पार्टी के सामने लड़खड़ा रही थी।

परेशान करने वाली है नादानी की कहानी

कुछ लोग खुद को सोशल मीडिया सनसनी के तौर पर मानने लगे हैं और उनको 'स्टारडम' जैसा अनुभव होने लगा है। इस चस्के पर लगाम लगाने के लिए कानूनी डंडे से ज्यादा कारगर सामाजिक जागरूकता होगी। उससे भी पहले शुरुआत परिवार से होनी चाहिए।

केवल तिवारी

किसी ऐतिहासिक पर्यटन स्थल पर घूमने गए एक परिवार के बच्चों ने वहां जाने से इसलिए मना कर दिया कि उस परिसर में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं थी। बच्चों को उसी जगह जाना पसंद था जहां वे फोटो खींच सकें, वीडियो या रील बना सकें और उन्हें अपने सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड कर सकें। बच्चों की जिद के आगे परिवार के बड़े सदस्य नतमस्तक हो गये और बाहर से लौट आये। यह वाकया छोटा सा है, लेकिन इसके असर दूरगामी हैं। फोटो खींचने, वीडियो बनाने का यह जुनून अब अपने खतरनाक रूप की ओर बढ़ चला है। 'लाइक', 'कमेंट' और 'व्यूज' को बटोरने और उसके जरिये कमाई करने की कोशिशों में हदें पार हो रही हैं। जिंदगी की राहों में रील बनाने का चस्का ऊहापोह के चौराहे पर पहुंच चुका है। आये दिन इस चस्के के कारण जान चली जाने की खबरें तो आती ही हैं, किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रख रहे बच्चों की बुद्धिमत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

कुछ समय पूर्व एक शोध रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि अगर आप किसी खास जगह पर घूमने जाएं और वहां हर समय फोटो-वीडियो बनाने में ही व्यस्त रहेंगे तो आपको अपने इस पर्यटन की यादें बहुत समय तक नहीं रहेंगी। इसके उलट अगर आप एक बार फोटो खिंचा लें फिर उन नजारों का आनंद लें तो लंबे समय तक ये यादें आपके जेहन में रहेंगी। आप इनकी चर्चा भी अपने जानने वालों से करते रहेंगे। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र था कि जिन पर्यटन या धार्मिक स्थलों पर फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी की मनाही होती है या मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित होता है, वहां की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय तक रहती हैं। आजकल बहुतायत में यह देखा जाता है कि पर्यटन पर निकले लोग फोटो खिंचाने या वीडियो बनाने में ही व्यस्त नजर आते हैं।

वह अपनी यात्रा को कितना अपने मन-मस्तिष्क में संजोकर रख पाते होंगे, ये वही जानें। लेकिन कोई यादों को मन में सहेजना चाहे या नहीं, उन पर निर्भर करता है। लेकिन रील बनाने का चस्का अब लोगों की भावनाओं से भी खिलवाड़ करने तक पहुंच गया है। गरीबी का मजाक उड़ाया जाता है। रेहड़ी-पटरीवालों और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशून्यता नजर आती है। स्त्री के सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती है और कई बार तो सांस्कृतिक विरासत के साथ भी बेहूदगी होती है। पिछले दिनों उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में अनेक लोगों ने ऐसी ही कुछ रील्स का सार्वजनिक तौर पर विरोध किया। मामला था 'रंगवाली पिछौड़ा' का। दरअसल, कुमाऊं क्षेत्र में शुभ कार्यों के दौरान महिलाएं एक विशेष किस्म की ओढ़नी से सिर ढकती हैं जिसे 'रंगवाली पिछौड़ा' कहते हैं। ऐसी रील्स का लोगों ने जमकर विरोध किया और फटाफट 'अनफॉलो' भी करना शुरू किया। ऐसे ही बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के अनेक प्रवासी कहते हैं कि उनके यहां भी रील्स का अजीब चस्का है। बुजुर्ग दुकानदारों, सब्जी-फल बेच रहीं महिलाओं को 'ठगा' जाता है। 'प्रैंक' के नाम पर ऊल-जलूल हरकतें होती हैं। गनीमत है कि कुछ रील्स की आप संबंधित मंचों पर ही रिपोर्ट कर सकते हैं। उन्हें देखने से इनकार कर सकते हैं। अनफॉलो कर सकते हैं, लेकिन उन वीडियो का क्या होगा जो बच्चे यूं ही देखते चले जा रहे हैं। दरअसल, रील बनाने का जितना चस्का है, उससे कहीं अधिक उन्हें देखने का भी है। अनगिनत रील। कहीं बिना प्रमाण के डॉक्टरी सलाह हैं तो कहीं हंसी-मजाक। कहीं भयानक फूहड़ता है तो कहीं भद्दे चुटकुले। रील्स की इस भयावहता का अंदाजा फ्रांस आदि देश लगा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया का नाम इनमें सबसे पहले आता है जहां 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा अनेक देश भी ऐसा प्रतिबंध लगा चुके हैं या लगाने की तैयारी में हैं।

प्रतिबंध से पहले इन देशों में शोध करवाए गए। शोध अध्ययन की फाइनल रिपोर्ट में कहा गया कि सोशल मीडिया पर वीडियो देखने की लत से बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रील्स का एक एल्गोरिदम है। आप जैसा देखते हैं, वैसी रील्स लगातार आपके पास आने लगती हैं। ऐसे में हानिकारक और हिंसक सामग्री बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। यह नुकसान न केवल देखने में है, बल्कि बनाने में भी। एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के महानगरीय जीवनशैली में माता-पिता खुद अपने बच्चों को रील्स बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कई बार तो खुद भी उनके साथ शामिल हो रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई पर तो प्रतिकूल असर पड़ ही रहा है, वास्तविक जीवन से भी वे दूर होते जा रहे हैं। कुछ लोग खुद को सोशल मीडिया सनसनी के तौर पर मानने लगे हैं और उनको 'स्टारडम' जैसा अनुभव होने लगा है। इस चस्के पर लगाम लगाने के लिए कानूनी डंडे से ज्यादा कारगर सामाजिक जागरूकता होगी। उससे भी पहले शुरुआत परिवार से होनी चाहिए।

गुरु पूर्णिमा

गुरु ब्रह्म गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरा...

पूर्णिमा का स्नान-दान

गुरु पूर्णिमा के दिन ही आषाढ़ पूर्णिमा का स्नान और दान किया जाता है। उस दिन आप ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 04:00 से 04:48 के बीच स्नान कर सकते हैं। जो इस समय स्नान न कर पाएं, वे सूर्योदय के बाद कर सकते हैं। उसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार, चंद्रमा से जुड़ी वस्तुओं का दान करें। हालांकि आषाढ़ पूर्णिमा का व्रत एक दिन पहले 28 जुलाई मंगलवार को रखा जाएगा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किसी गरीब ब्राह्मण को पीले वस्त्र, हल्दी, पीतल के बर्तन, गुड़, घी, पीले चावल आदि का दान कर सकते हैं। इस दिन आप चाहें तो देव गुरु बृहस्पति की भी पूजा करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

महत्व

सभी माह की पूर्णिमा में आषाढ़ पूर्णिमा को सबसे खास माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। मान्यता है कि महर्षि वेद व्यास को संसार का पहला गुरु माना जाता है। उनका हिंदू धर्म की संस्कृति में काफी खास योगदान रहा है। इस तिथि पर अपने देवी- देवताओं के साथ-साथ गुरुओं की पूजा करना बेहद शुभ होता है। इस दिन व्रत रखने के साथ-साथ कुछ खास उपाय भी किए जाते हैं, जो जीवन में सुख-समृद्धि को बढ़ाते हैं।

शुभ मुहूर्त

गुरु पूर्णिमा के दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त आषाढ़ पूर्णिमा 28 जुलाई 2026 को शाम 6.18 पर शुरू होगी और अगले दिन 29 जुलाई 2026 को रात 8 बजकर 05 मिनट पर इसका समापन होगा। पूजा मुहूर्त - सुबह 5.41 - सुबह 9.04 तक है।

गुरु का करें सम्मान

गुरु पूर्णिमा के दिन आप सुबह में स्नान और पूजा के बाद अपने गुरु के पास जाएं या फिर उनको घर पर आमंत्रित करें। उनका आदर-सत्कार करें और पैर छूकर आशीर्वाद लें। भोजन कराएं। उपहार दें। उनको सभी प्रकार से संतुष्ट करके विदा करें। गुरु पूर्णिमा के दिन यह काम करने से आपकी उन्नति होगी क्योंकि गुरु की सेवा करने से कुंडली का गुरु दोष दूर होता है। गुरु की कृपा के बिना आपको ज्ञान और मोक्ष दोनों ही प्राप्त नहीं हो सकता।

पूजा विधि

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करना चाहिए। इससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके बाद सूर्यदेव को जल चढ़ाएं। फिर लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा में चंदन और हल्दी का उपयोग करना शुभ होता है। इस दौरान 'ऊं नमो: भगवते वासुदेवाय नम:'के मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके बाद शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य दें। इससे जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहती है।

हिंदू धर्म में गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु, शिक्षक और ज्ञान देने वाले सभी मार्गदर्शकों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने का विशेष अवसर माना जाता है। यह पावन पर्व आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। शास्त्रों में इस दिन को आषाढ़ पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा और वेद व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी शुभ तिथि पर महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। महर्षि वेद व्यास ने चारों वेदों का संकलन और वर्गीकरण कर मानव समाज को अमूल्य ज्ञान प्रदान किया। इसके अलावा उन्होंने महाभारत, श्रीमद्भागवत सहित अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की। यही कारण है कि उन्हें प्रथम गुरु का स्थान दिया जाता है और उनके सम्मान में हर वर्ष गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस बार 29 जुलाई ये पर्व मनाया जायेगा।

हंसना मना है

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं, आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में): मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे। मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

महिला: पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी: मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में लड़की: सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का: हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की: अपनी कुत्ते जैसी नजर!

कहानी — मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा कि क्या वो उससे भी बड़ा जीव था? उसके बच्चों ने कहा कि हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा कि क्या अब भी वो जीव बड़ा था? बच्चों ने कहा कि ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था। मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | एक्शन

पीएम पर अपमानजनक कार्टून दिखाने पर श्रीलेखा पर केस

नीट प्रोटेस्ट के दौरान कई सेलेब्स सोशल मीडिया पर मुखर होकर बोले थे। वहीं कुछ फिल्मी सितारे प्रोटेस्ट में शामिल भी हुए। कोलकाता में भी एक ऐसे ही प्रोटेस्ट में अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा शामिल हुई। उनके साथ हाथ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अपमानजनक पोस्टर था। इसे लेकर वह सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुई। साथ ही कोलकाता पुलिस में उनके खिलाफ मामला भी दर्ज हुआ। बंगाली सिनेमा में श्रीलेखा मित्रा जाना-माना नाम हैं। साथ ही वह सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर बोलती हैं। अभिनय के अलावा वह लेखन में भी सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 1990 में की थी। कई बंगाली फिल्मों और टीवी सीरियल में श्रीलेखा मित्रा ने अभिनय किया। इंस्टाग्राम पर भी उनके लगभग 3 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। यह मामला केया घोष की शिकायत पर रविवार को आनंदपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। कोलकाता पुलिस ने कहा, '26 जुलाई को आनंदपुर पुलिस स्टेशन में केया घोष की ओर से एक शिकायत मिली थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि श्रीलेखा मित्रा ने 24 जुलाई को सियालदह से धर्मतल्ला के बीच हुए एक सार्वजनिक रैली के दौरान भारत के प्रधानमंत्री के आपत्तिजनक, अपमानजनक और निंदनीय कार्टून दिखाए थे। कोलकाता पुलिस ने बताया कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जब श्रीलेखा मित्रा पर पुलिस में मामला दर्ज हुआ तो सोशल मीडिया पर वह अपने बचाव में बोलीं। उनका कहना था कि लोग सोशल मीडिया पर उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, गलत संदेश भेज रहे हैं। एक वायरल वीडियो में वह कहती हैं, 'मैं बीजेपी विरोधी हो सकती हूं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं देशद्रोही हूं।' अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें फंसाया जा रहा है। साथ ही उनका कहना है कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाएंगी। इसी वायरल वीडियो में वह कहती हैं कि उन्होंने अपने चश्मे की जगह सनग्लास पहने थे तो पोस्टर पर ध्यान नहीं गया, उन्होंने पोस्टर देखा ही नहीं।

कहानी 3 में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म आर्टिकल 370 में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म कहानी 3 में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंचाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म कहानी साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया।

विद्या बालन की चर्चित फ्रेंचाइजी पर यामी गौतम ने मारा झपट्टा

वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कहानी 3 में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम कहानी 3 में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रेंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन कहानी 3 इस फ्रेंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि कहानी की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर-द रिवेंज (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

'धूम 4' में काम करने की बात को रणबीर ने नकारा

फिल्म 'रामायण' की टीम हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक कॉन में अपनी फिल्म को प्रमोट करने पहुंची थी। इस दौरान डायरेक्टर नितेश तिवारी, प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और एक्टर्स रणबीर कपूर और यश मौजूद थे। इवेंट के दौरान रणबीर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी बात की और साफ किया कि वह 'धूम 4' का हिस्सा नहीं हैं।

एक चैनल पर बातचीत के दौरान होस्ट ने कहा कि यश 'टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के साथ-साथ रामायण में नजर आएंगे और रणबीर 'धूम 4' में दिखेंगे। इस पर रणबीर ने तुरंत इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, अभी मैं रामायण और एक दूसरी फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहा हूं, जिसे संजय भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज हो सकती है।' फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है। कुछ रिपोर्ट्स में 24 जनवरी बताया गया है, जबकि आधिकारिक तौर पर 21 जनवरी की तारीख भी सामने आ चुकी है। खास बात यह रही कि रणबीर ने अपनी फिल्मों की लिस्ट बताते वक्त 'एनिमल पार्क' का जिक्र नहीं किया, जो उनकी 2023 की हिट फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल माना जा रहा है।

कहा- अभी मैं रामायण और 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहा हूं

रणबीर कपूर के 'धूम' फ्रेंचाइज से जुड़ने की खबरें काफी समय से चल रही हैं। साल 2024 में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि आदित्य चोपड़ा उन्हें इस फिल्म के लिए परफेक्ट मानते हैं और लंबे समय तक बातचीत भी हुई थी। इसके बाद जब रणबीर का नया लुक सामने आया, तो लोगों ने अंदाजा लगाया कि वह 'धूम 4' या 'एनिमल पार्क' के लिए हो सकता है। 2025 में यह भी खबर आई थी कि विक्की कौशल को भी फिल्म में लिया जा सकता है। हालांकि, अब तक यश राज फिल्म्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

अंधेरे में टॉर्च लेकर चलती हैं दुनिया की ये सबसे अजीबोगरीब मछलियां

दुनियाभर में कई ऐसी तरह की मछलियां मौजूद हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होना लाजिमी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसी ही फ्लैशलाइट फिश का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आप भी हक्के-बक्के रह जाएंगे। दरअसल, अन्य मछलियों से अलग इस यूनिक फिश की आंखों के नीचे एक बायोल्यूमिनसेंट ऑर्गन होता है, जिससे लगातार चमकदार नीली-हरी रोशनी निकलती नजर आती है। शायद यही वजह है कि, इस मछली को लालटेन-आई मछली के नाम से भी जाना जाता है। इन फ्लैशलाइट मछलियों की लाइट और चमकने के पीछे की वजह है, फिश के लाइट ऑर्गन, जिनमें लाखों बायोल्यूमिनसेंट बैक्टीरिया होते हैं, जिसकी वजह से ये नीली-हरी रोशनी पैदा कर पाती हैं। कहा जाता है कि, इंडो-पैसिफिक महासागर और कैरेबियन सागर में पाई जाने वाली ये मछलियां शिकारियों से बचने के लिए अपनी रोशनी कम कर सकती हैं और इसके उलट अपनी प्रजाति के साथ कम्युनिकेट करने के लिए लाइट का इस्तेमाल करती हैं। इस अनोखी मछली का वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर @gunsnrosesgirlx नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो में दिख रही मछलियों को देखकर ऐसा लग रहा है मानो वो अपने साथ टॉर्च लेकर चल रही हों। अद्भुत सी इन फिश का साइंटिफिक नाम एनोमालोपिडे है। माना जाता है कि, यह नीले और काले गहरे रंग की ये फ्लैशलाइट मछलियां रात्रिचर और गुप्त होती हैं, यही वजह है कि, यह बहुत कम ही देखने को मिलती हैं।

अजब-गजब | पुरातत्वविद भी देखकर रह गए हैरान

जब बौद्ध मंदिर में मिला 2000 साल पुराने सिक्कों का खजाना

धरती के अंदर आज भी ऐसे कई रहस्य छिपे हुए हैं, जिनके सामने आने पर हैरानी भी होती है और मन में कई तरह के सवाल भी उठते है। अक्सर देखा और सुना जाता है कि, खुदाई में कभी खजाना, तो कभी कोई ऐसी चीजें निकलकर सामने आई है, जिसे देखकर कई बार खुद की ही आंखों पर यकीन कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे खजाने कभी जमीन में दफन, तो कभी समुद्र में डूबे होते हैं, जो अक्सर चर्चा की विषय बन जाते हैं। दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान में 2000 साल पुराने सिक्कों का अत्यंत दुर्लभ खजाना मिला है। बताया जा रहा है कि, हाल ही में पाकिस्तान में 2000 साल पुराने सिक्कों का खजाना मिला है, जो कि एक प्राचीन बौद्ध मंदिर (बौद्ध मंदिर को स्तूप भी कहा जाता है) के खंडहरों के नीचे से मिला है। लाइवसाइंस की रिपोर्ट के अनुसार, ये खजाना आर्कियोलॉजिस्ट्स को दक्षिणपूर्व पाकिस्तान में प्राचीन स्थल मोहनजोदड़ो पर बने एक बौद्ध मंदिर के खंडहरों में दबा मिला है, जो लगभग 2600 ईसा पूर्व का है। खुदाई में मिले 5.5 किलोग्राम के ये सिक्के तांबे के हैं और हरे रंग के हैं, जिनकी संख्या 1000 से 1500 बताई जा रही है। इन कुछ बाहरी सिक्कों पर एक खड़ी आकृति बनी हुई है। रिसर्चर्स का मानना है कि, यह संभवतः कुषाण राजा की हो सकती है। हाल ही में मिला ये खजाना कुषाण काल का बताया जा रहा है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, कुषाण साम्राज्य के दौरान बौद्ध धर्म का काफी प्रसार हुआ था। आर्कियोलॉजिस्ट और गाइड शेख जावेद अली सिंधी ने बताया कि, लगभग 1600 साल बाद खंडहरों पर स्तूप का निर्माण किया गया था। खुदाई में मिले सिक्कों को अब आर्कियोलॉजिकल लेबोरेटरी में सावधानीपूर्वक साफ किया जाएगा।

सत्य और सत्याग्रह से डरती है सरकार : राहुल

» आदिवासियों के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा को घेरा

» केन-बेतवा परियोजना से प्रभावितों की मदद हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार सत्य और सत्याग्रह दोनों से डरती है और शांतिपूर्ण विरोध को पुलिस बल के जरिये दबाया जा रहा है। राहुल गांधी ने आदिवासियों के लिए उचित मुआवजे और सम्मानजनक पुनर्वास की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बात सुनने के बजाय भाजपा सरकार उनके शांतिपूर्ण विरोध को भी पुलिस बल के जरिये कुचल रही है।

आदिवासी देश के 'पहले मालिक' हैं

उन्होंने कहा, हम अपने आदिवासी भाई-बहनों के साथ हैं। उन्हें न्याय दिला कर रहेंगे-मुआवजा और पुनर्वास तो देना ही पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि आदिवासी देश के ''पहले मालिक'' हैं और जल, जंगल तथा जमीन पर सबसे पहला हक उनका है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का सत्याग्रह इसलिए है, क्योंकि उनका यही अधिकार उनसे छीना जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासियों की मांग केवल इतनी है कि उन्हें गुज़र-बसर के लिए उचित सहारा दिया जाए।

शांतिपूर्ण विरोध को पुलिस बल के जरिये दबाया जा रहा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध को पुलिस बल के जरिये दबाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार 'सत्य और सत्याग्रह' दोनों से डरती है। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मध्यप्रदेश के आदिवासी जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल पर इसलिए बैठे हैं, क्योंकि केन-बेतवा परियोजना के लिए उनकी जमीन छीन ली गई, लेकिन उन्हें न तो उचित मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास।

राहुल गांधी विदेशी ताकतों की कठपुतली : निशिकांत दुबे

» बीजेपी सांसद बोले- विपक्ष के नेता पद से हटाने का प्रयास करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के हाथों कठपुतली की तरह काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें इस पद से हटाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव लाने का प्रयास करेंगे। गोड्डा से सांसद दुबे ने कहा कि वह सरकार से 2004 से 26 के बीच राहुल गांधी की विदेश यात्राओं, उनके सहयोगियों और उनके कथित गुप्त समझौतों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आग्रह भी करेंगे।

संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में दुबे ने कहा, राहुल गांधी विदेशी ताकतों के हाथों बिकी हुई एक कठपुतली हैं। वह केवल एक माध्यम हैं, जिसके जरिए विदेशी ताकतें काम करती हैं। सिर्फ इसलिए कि वह गांधी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, उन्हें इतना कद और प्रभाव हासिल है। भाजपा ने कई मौकों पर राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि इन यात्राओं पर किया गया खर्च उनकी घोषित आय के अनुपात में नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि विदेश यात्राओं के दौरान राहुल गांधी भारत की नीतियों के बारे में बोलने के बजाय देश और सरकार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता से जुड़े नियमों के अनुसार, जब भी वह विदेश यात्रा करते हैं तो उन्हें देश और सरकार की नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए लेकिन राहुल गांधी ने अपनी सभी विदेश यात्राओं के दौरान भारत की नीतियों के बजाय देश, सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। कांग्रेस पर देश को अस्थिर करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए दुबे ने दावा किया कि देश को बांटने की साजिश में पार्टी की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

» सारांश जैन को पहली बार मौका, रवींद्र जडेजा की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने मंगलवार को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का पहली बार टेस्ट टीम में चयन है। 33 वर्षीय सारांश को वॉशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग चोटिल होने के बाद मौका मिला है। घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है।

वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें जून में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया था। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन दोनों का चयन बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस मंजूरी मिलने पर ही प्रभावी होगा। दूसरी ओर, चोट के कारण पुनर्वास कर रहे नितीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह नहीं मिली है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से एसएससी, कोलंबो में होगा। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया था।

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

तेलंगाना में परिवार पंजी पर घमासान

» भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष ने अवैध वोट बैंक बचाने का लगाया आरोप

» कांग्रेस ने विपक्ष के दावे को खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में परिवार पंजी को लेकर सियासी बवाल मच गया है। इसम मामले को बीजेपी ने कांग्रेस सरकार को घेरा लिया है। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. राम चंद्र राव ने राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक परिवार पंजी लागू करने के फैसले की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अपने अवैध वोट बैंक को बचाने के लिए जल्दबाजी में परिवार पंजी प्रमाणपत्र जारी कर रही है। वहीं कांग्रेस ने विपक्ष के दावे को खारिज किया।

राव ने कहा कि भाजपा मतदाता सूची में किसी भी अवैध नागरिक को रहने नहीं देगी। हैदराबाद, 28 जुलाई भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. राम चंद्र राव ने राज्य सरकार द्वारा पूरे राज्य में 'इलेक्ट्रॉनिक परिवार पंजी' लागू करने के फैसले की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अपने ''अवैध वोट बैंक'' को बचाने के लिए जल्दबाजी में परिवार पंजी प्रमाणपत्र जारी करने की तैयारी कर रही है। सरकारी आदेश के अनुसार, नागरिक सेवाओं की उपलब्धता को अधिक सुगम बनाने, परिवार संबंधी विवरणों के सत्यापन में एकरूपता सुनिश्चित करने तथा परिवारों का आसानी से उपलब्ध होने वाला आधिकारिक अभिलेख तैयार करने के उद्देश्य से सरकार ने परिवार पंजी लागू करने का निर्णय लिया है।

एक भी अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी रहने नहीं देंगे : राव

राव ने इस बात पर बल दिया कि उनकी पार्टी राज्य की मतदाता सूची में एक भी अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी या पाकिस्तानी नागरिक को रहने नहीं देगी। भाजपा नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''कांग्रेस, बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) और एमआईएम (मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) ने दशकों तक अवैध वोट बैंक को संरक्षण दिया है।

मोदी का वीडियो हटाने पर मेटा ने मांगी माफी

» कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हुई थी गलती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक फेसबुक वीडियो को कुछ समय के लिए हटाए जाने का मामला अब गंभीर रूप ले चुका है। मेटा ने इस घटना पर सरकार से माफी मांगते हुए स्वीकार किया है कि वीडियो किसी नीति उल्लंघन की वजह से नहीं, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण गलती से हट गया था। कंपनी ने स्पष्ट किया कि जैसे ही गड़बड़ी का पता चला, वीडियो को दोबारा प्लेटफॉर्म पर बहाल कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को हल्के में नहीं ले रही है। संबंधित विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो को हटाया गया और मेटा की ओर से दी गई तकनीकी खराबी की सफाई कितनी सही है।

महमूदाबाद नगर पालिका ने की सरकारी नियमों की अनदेखी

» चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए पीडीएफ में जारी किए टेंडर

» देने थे राष्ट्रीय पेपरों में, लेकिन लोकल पीडीएफ में पालिका ने छपाए टेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। महमूदाबाद नगर पालिका में राज्य वित्त आयोग से कराए जाने वालो 42 कार्यों का टेंडर सिर्फ लोकल पीडीएफ में छपाकर खानापूर्ति करते हुए निजी चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई। हालांकि टेंडर आज यानि मंगलवार को पड़ेंगे। नगर पालिका में राज्य वित्त आयोग से नगर विकास के संबंधित कुल 42 काम जिनमें विभिन्न स्थानों पर नाला निर्माण और इंटरलॉकिंग का काम होना है।

एडीएम ने कहा- होगी जांच

इस बाबत एडीएम आयुष चौधरी से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया मामला संज्ञान में आया है जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी है उसके विरुद्ध कार्रवाई भी होगी।

सरकारी आदेश के हिसाब से इसके लिए राष्ट्रीय अखबारों में टेंडर विज्ञापन छपवाने थे, लेकिन नगर पालिका ने ऐसे अखबारों में टेंडर छपाए जिनका अखबार नहीं आता है सिर्फ पीडीएफ से काम चलता है। जानकार बताते हैं यदि राष्ट्रीय अखबारों में टेंडर छपाए जाते तो कई ठेकेदार इसमें आवेदन कर सकते लेकिन ऐसे ठेकेदारों से पालिका को कमीशन नहीं मिलता , पालिका ने सिर्फ कुछ ही ठेकेदार चिन्हित किए है, इसलिए सिर्फ यही आवेदन कर सके और किसी अन्य को जानकारी न हो, इसके चलते इस कारनामे को अंजाम दिया गया।

छात्रों पर पुलिस एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

कहा- लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की जांच हो

» पुलिस की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल की आवश्यकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के बारे में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूछा कि जवाबदेही तय करने के लिए स्वतंत्र जांच क्यों नहीं कराई जानी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का कहना है कि विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, और देश भर में सार्वजनिक प्रदर्शनों और विरोध-प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए एक स्पष्ट प्रोटोकॉल की आवश्यकता है। यह बात भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ़ इसलिए पुलिस की ज्यादतियों को सही नहीं ठहराया जा सकता कि कोई आंदोलन चल रहा है।

बेंच ने संतुलित रवैया अपनाने की बात कही और कहा कि असामाजिक तत्वों की हरकतों पर सज़ा मिलनी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए और इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए और वे बाद में इसकी संरचना की घोषणा करेंगे। उन्होंने यह बात तब कही जब सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। सीजेआई ने टिप्पणी की कि लंबी-चौड़ी दलीलों की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि यह छात्रों का पूरी तरह से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन था जिसमें कुछ मांगें रखी गई थीं, और यह संवैधानिक दायरे में था। उनका नज़रिया यह है कि ऐसे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में अक्सर बिन बुलाए मेहमान आ जाते हैं, जो अपने एजेंडे के साथ आते हैं और जल्द ही कार्यक्रम के सह-आयोजक बन जाते हैं। छात्रों का कहना है कि अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के बावजूद उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया। सभी संबंधित पक्षों को रचनात्मक सुझावों के साथ आगे आना चाहिए। इस कोर्ट द्वारा पहले सुझाए गए प्रोटोकॉल के बारे में जैसे-जैसे समय बीत रहा है, कई चीजें अलग-अलग तरीकों से सामने आ रही हैं। हमें यह तय करने की ज़रूरत है कि किस तरह के आंसू गैस या अन्य उपायों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और क्या उनके इस्तेमाल की इजाज़त दी जानी चाहिए। आखिरकार, विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र का हिस्सा हैं।

जुनैद ने पुलिस पर परिवार को परेशान करने का लगाया आरोप

राजधानी दिल्ली में हाल ही में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान खाने-पीने की चीजें बांटने वाले वॉलंटियर जुनैद मलिक ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने एक याचिका डालकर आरोप लगाया है कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया और परेशान किया, साथ ही बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ जबरदस्ती कार्रवाई की जा रही है। याचिका में जुनैद मलिक ने दावा किया है कि 24 जुलाई की आधी रात को, जब वह अस्पताल से एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाकर लौट रहे थे, तो दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें उठा लिया और लगभग पांच से छह घंटे तक एक गाड़ी में बिठाए रखा। इस दौरान, उनका आरोप है कि उन्हें धमकाया और डराया-धमकाया गया। उनका मोबाइल फोन जबरदस्ती ले लिया गया और अधिकारियों ने उन्हें फोन अनलॉक करने पर मजबूर करके उसकी जांच की। उनसे पूछा गया कि उन्हें कौन फंडिंग कर रहा था और खाने-पीने के सामान के लिए पैसे कहां से आ रहे थे। आखिरकार, 5-6 घंटे के सफर के बाद उन्हें देहरादून रोड पर एक सुनसान जगह पर छोड़ दिया गया। अंत में, वह देहरादून से कैब लेकर दिल्ली वापस आए।

कहा - असामाजिक तत्वों की हरकतों पर सजा मिलनी चाहिए

स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए जांच : सीजेआई

मामले की सुनवाई के दौरान, सीजेआई ने कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए और इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए और वे बाद में इसकी संरचना की घोषणा करेंगे। उन्होंने यह बात तब कही जब सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और भविष्य के प्रदर्शनों के लिए देशव्यापी गाइडलाइंस बनाने की मांग की है। सुनवाई के दौरान, सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि यह मामला देश भर में हो रहे प्रदर्शनों से जुड़ा है और ऐसी घटनाएं मध्य प्रदेश, नागपुर और बिहार समेत कई जगहों पर हुई हैं, यह सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं।

दिल्ली व एनसीआर में झूमकर बरसे बदरा

» नोएडा-गाजियाबाद समेत कई जगहों के लिए यलो अलर्ट जारी

» लखनऊ में छाए बादल, उमस से लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम खुशनुमा हो गया। नोएडा, गाजियाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हो रही है। कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। वहीं यूपी की राजधानी लखनऊ में सुबह से बदरा छाए हैं। जिसकी वजह से उमस से लोग परेशान हैं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में बारिश की बूंदों ने दस्तक दी।

इससे पहले, सोमवार दोपहर में भी कुछ इलाकों में बारिश हुई थी और रात के समय भी बूंदाबांदी देखी गई थी। इन बारिशों के कारण हवा में नमी बढ़ी और तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को उमस से बड़ी राहत मिली। दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम में बारिश हो रही है। दिल्ली के सदर बाजार समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, 28 जुलाई से 2 अगस्त तक आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज धूप से राहत मिलेगी, हालांकि उमस बनी रह सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 28 और 29 जुलाई को बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं।

दिल्ली में करीब 600 करोड़ के हेल्थ स्कैम पर बवाल

» ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर शुरू की जांच

» आप ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में करीब 600 करोड़ रुपये के हेल्थ स्कैम की जांच अब तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल सामान और उपकरणों की खरीद से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज मांगे हैं। इसको लेकर सियासत भी गरमा गई है। आप ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए इसमें धांधली के आरोप लगाए है।

बतादें ईडी ने टेंडर प्रक्रिया, कंपनियों के चयन, सामान की सप्लाई, गुणवत्ता जांच और भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड तलब किए हैं। जांच के दायरे में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, सी-आर्म मशीन, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, ओरण्स, बेडशीट, सर्जिकल सामान, ग्लव्स और दवाइयों की खरीद शामिल है. इस मामले में अब तक 20 से ज्यादा लोगों से पूछताछ हो चुकी है। इडी यह पता लगा रही है कि खरीद प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी या मनी लॉन्ड्रिंग हुई है या नहीं। बता दें कि इससे पहले तत्कालीन डीजीएचएस डॉ. वत्सला अग्रवाल और उप नियंत्रक लेखा नीरज चोपड़ा के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। वहीं सीपीए के पूर्व प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. अब सभी की भूमिका की गहन जांच जारी है।

सरकार ने फाइल गायब करवा दिया : भारद्वाज

दिल्ली सरकार के पूर्व हेल्थ मिनिस्टर और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने इस मामले से जुड़ी फाइल गायब होने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। बता दें कि इस बड़े घोटाले की जांच पहले से ही एसीबी और विजिलेंस विभाग द्वारा की जा रही है। बता दें कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सिफारिश के बाद अब 2 और डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की गई है।

जापान के क्यूशू इलाके में आया 7.1 तीव्रता का भूकंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने 1 मीटर (3.28 फीट) ऊंची लहरों वाली सुनामी की चेतावनी जारी की है।

जापान सरकार ने दक्षिणी क्यूशू द्वीप के कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों के लिए आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है। मौसम एजेंसी ने लोगों को समुद्र और तटों से दूर रहने की सलाह दी है। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां कम से कम हर पांच मिनट में भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

एके-47 के इस्तेमाल की न्यायिक जांच हो : तेजस्वी

» सिवान में छात्रों के प्रदर्शन मामले में राजद ने एनडीए सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सिवान में 25 जुलाई को छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल के इस्तेमाल की न्यायिक जांच कराने की मांग की। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के कथित मामले को लेकर 25 जुलाई को आयोजित बिहार बंद के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने की भी मांग की। उन्होंने सरकार से सोमवार रात तक सभी छात्रों को रिहा करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी।

तेजस्वी ने कहा, सिवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर एके-47 राइफल का इस्तेमाल करने वाले आरक्षी को केवल निलंबित कर देना पर्याप्त नहीं है। इस घटना की न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। एके-47 के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया, इसकी पहचान कर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। देश में यह पहली बार है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित तौर पर एके-47 का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों के खिलाफ एके-47 के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया और पुलिस ने कई विद्यार्थियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला किस आधार पर दर्ज किया। तेजस्वी ने कहा, मैं मांग करता हूं कि सरकार सोमवार रात तक गिरफ्तार सभी विद्यार्थियों को रिहा करे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राजद राज्यव्यापी बड़ा आंदोलन शुरू करेगा। केंद्र सरकार पहले ही छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लेने पर सहमत हो चुकी है।

आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा का भी बिहार सरकार पर प्रहार

आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने भी आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्र प्रदर्शनकारियों, वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं और पालीगंज के विधायक संदीप सौरभ को तत्काल रिहा करने तथा उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की। पटना पहुंची बोरा ने कहा, करीब 500 छात्र प्रदर्शनकारियों, वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं और पालीगंज के विधायक संदीप सौरभ को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। उनकी रिहाई तक मैं यहीं रहूंगी। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है तो हम दिल्ली की तर्ज पर छात्र आंदोलन शुरू करेंगे। बोरा यहां बेउर जेल में बंद प्रदर्शनकारियों से मिलने वाली हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप विद्यार्थियों के खिलाफ दर्ज सभी मामले तत्काल वापस लिए जाने चाहिए। पच्चीस जुलाई को वामपंथी छात्र संगठनों के सदस्यों ने नीट प्रश्नपत्र लीक के कथित मामले और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुलाए गए बिहार बंद के समर्थन में राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन किया था।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा